टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय चुड़ेला में शिक्षा में नवीन आयाम विषयक संगोष्ठी सम्पन्न

झुंझनूं 3 जून। राजस्थानी सेवा संघ मुम्बई द्वारा संचालित श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय चुड़ेला में उच्च स्तरीय प्राचार्यों हेतु शिक्षा में नवीन आयाम विषयक संगोष्ठी बुधवार को सम्पन्न हुई।

रजिस्ट्रार मो. आलमगीर के अनुसार श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय में शिक्षा के नवीन आयाम सम्बधित शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय चांसलर विनोद टीबड़ेवाला की अध्यक्षता एवं जिला साक्षरता अधिकारी सीकर रामनिवास शर्मा के मुख्य अतिथि में किया गया। सरस्वती माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के पश्चात अपने उद्घाटन उद्बोधन में चांसलर विनोद टिबड़ेवाला ने राजस्थान प्रदेश के प्रति चिंता प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश में भामाशाहों की कमी नहीं है लेकिन राज्य में तकनीकी शिक्षा एवं अंगेजी के ज्ञान में कमजोर होने के कारण प्रदेश के युवा वैश्वीकरण के इस दौर में अन्य पड़ोसी राज्य के बच्चों के साथ कापरेट नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक, महाराष्ट्र, आन्ध प्रदेश आदि राज्यों का हवाला देते हुए कहा है संचार क्रांति के दौरे में राज्य में स्कूली शिक्षा से ही युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है ताकि प्रदेश के युवा वैश्विकरण के दौरे में प्रतिद्वन्दता के लिए तैयार रहे।

सीकर चुरू एवं झुंझुनूं आदि शेखावाटी के तीनों जिलों के उच्च माध्यमिक स्तर के प्राचार्यों हेतु आयोजित शैक्षिक संगोष्ठी में विभिन्न विषय मित्र, दार्शनिक एवं निर्देशक के रूप में प्राचार्यों की भूमिका, शिक्षण की विधियां प्रविधिया आधुनिक एवं पाश्चात संस्कृति के आपसी सम्बंध, यौन शिक्षा एवं युवा, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के दौर में रोजगार के अवसर तथा शैक्षिक संस्थानों में उच्च शिक्षा में प्रवेश प्रक्रिया आदि विषयों पर श्री रामनिवास शर्मा जिला साक्षरता अधिकारी सीकर, असगर अली जिला साक्षरता अधिकारी झुंझुनूं, डॉ. दीपक सक्सेना, जयपुर डॉ. एस के सिंह सीकर, राधेश्याम शर्मा सीकर, राजकुमार शर्मा चुरू तथा जी आर पिलानिया प्राचार्य सीकर ने अपने विचार प्रस्तुत किए। दूसरे सत्र के सम्भागियों ने खुले अधिवेशन में विश्वविद्यालय के सफल संचालन हेतु मुक्त विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में चांसलर विनोद टिबड़ेवाल एवं अशोक हरलालका द्वारा सभी सम्भागियों का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ साथ अतिथियों का शॉल औढाकर सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य रूप से नरेन्द्र दाधीच डीपीइपी चुरू, मोहनलाल शर्मा प्राचार्य, टेकचन्द शर्मा, भवर सिंह साक्षरता विभाग सीकर, शरतचन्द गाडिया नवीन शर्मा निधि यादव आलमगिर रजिस्ट्रार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।